दिल्ली वालों के लिए सुनिधि के कॉन्सर्ट की शाम यादगार रही। संगीत-नृत्य से सजी इस शाम में सुनिधि ने अपने मनपसंद गाने गाए जिन पर दर्शक झूम उठे।

सुनिधि की अदा पर दर्शक फि

संवाददाता

तालकटोरा स्टेडियम का भव्य सभागार संगीत की फिजाओं में डूब गया। जब युवा वर्ग की पसंदीदा दिल्ली की कुड़ी सुनिधि चौहान गा नहीं रही थी बल्कि लड़के-लड़कियों पर जादू कर रही थी। दर्शकों में सपरिवार आने वालों की संख्या भी अच्छी-खासी रही। युवक-युवतियां तो मंच के सामने अपने मोबाइलों से सुनिधि को लाइव कैमरों से कैद कर उत्साहित थे। एक के बाद एक सुनिधि ने अपने सारे हिट गाने गाए।

संगीत और नृत्य से सजी इस शाम में अपनी तो ऐसे-वैसे, हम दोनों हैं बिंदास, माइंड ब्लोइंग माहिया, मैं तो एंवी-एंवी लुट गया, बीड़ी जलाइ ले, क्रेजी किया रे जैसे गानों के प्रस्तुत करने के मोहक अंदाज के सभी दीवाने हो चुके थे। नजारा तो देखने लायक था जब दिल्ली के दूसरे दिल पर हाथ रखते हुए सुनिधि ने सवाल किया कि यहां कितने पंजाबी हैं। फिर क्या था सीटियों और शोर के बीच सुनिधि ने अपने पंजाबी गानें गाकर युवाओं को कुर्सियों पर खड़ा कर नाचने के लिए मजबूर कर दिया।

टीडीआई और वनस्थली की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में दिल्ली की जानी-मानी हस्तियां भी उपस्थित रहीं। वनस्थली प्राकृतिक आहारों का प्रमोशन करने वाली एक संस्था है जो समाज में पोषक-तत्व युक्त प्राकृतिक शाकाहारी आहारों के प्रति लोगों को जागरुक करती है। वनस्थली के संचालक शरद चतुर्वेदी ने कहा कि शहरी जीवन को खास कर इन आहारों के बारे में जानने, समझने और इसकी ओर लौटने की जरूरत है। व्यस्त समय में हम अपने शरीर को वह आहार नहीं दे पाते, जो इसे चाहिए। खाने के नाम पर जो वस्तुएं हमारे सामने आती हैं, वे केवल केमिकल्स हैं, जो हमारे स्वास्थ्य और आयु को प्रभावित करती हैं।

सुनिधि चौहान ने कहा कि दिल्ली आकर उन्हें बहुत अच्छा लगता है। 25 दिन के लगातार यूएसए के दूर के बाद सीधे दिल्ली कार्यक्रम में शो करने आई सुनिधि ने कहा कि सारी दुनिया में गाने के बावजूद जो मजा अपने घर में गाने का है वह कहीं नहीं। इस अवसर पर सुनिधि के पिताजी ने भी भावुक होते हुए क वही मंच है, जहां से सुनिधि ने अपने करियर की शुरुअ सुनिधि चौहान ने दूसरे राउंड में अपने चर्चित अंदाज जवानी गाया। गाने के बीच-बीच में डांस और दर्शकों लिए सुर में अलग-अलग किस्म की आवाज निकालने पर दर्शक मुग्ध हुए बिना नहीं रह सके।

सुनिधि ने भड़कदार गानों के अलावा कुछ शांत स्व भी गाए। इन गानों का आनंद भी दर्शकों ने आंख मूंद लग रहा था कि सुनिधि सब को किसी दूसरी दुनिया मे है। दिल्ली को अपना घर-आंगन समझने वाली सुनि एक उछलती-कूदती-नाचती छोटी सी सुरीली बच्च संगीत के मंच पर व्यवहार कर रही थी।

ऐसे में जाहिर है उसके पिताजी के अल के लोगों का भी भावुक होना। सभी अ हुए अंतिम समय तक टिके रहे। सुनिधि जाने लगी तो लोगों ने वन्स मोर कहा सुनिधि मंच के पीछे चली गई। लोग उस अपने दिलो-दिमाग में घर लेकर लौटे। और क्या बड़े सभी सुनिधि की एक झ उत्साहित थे। कार्यक्रम के संचालक चतुर्वेदी ने सुनिधि को मंच पर बु कार्यक्रम की संयोजिका की भूमिका में न रहीं। टीडीआई से रेनू तनेजा ने सुनिधि क किया। कॉन्सर्ट के खत्म होने के बा सुनिधि के गाने गुनगुना रहे थे।